

आनन्दं ब्रह्म



श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

संस्थापक - श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज

(श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित)

पोस्ट-झुसी, प्रयागराज (उ.प्र.), पिन- 211019

दूरभाष नं०- 0532-2569205, ईमेल- ssngvv@gmail.com

सोसायटी रजिस्ट्रेशन नं.-173/2004-05

दर्पण पोर्टल रजिस्ट्रेशन नं.-UP/2018/0187820

(महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुदानित)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.आ. जवासिया, उज्जैन: 456006 (म.प्र.)

प्रतिष्ठान दूरभाष: 0734-2502266/2502255 ईमेल- msrvpujn@gmail.com

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2022–2023

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक-07.07.1999 को की गयी थी। विद्यालय को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) से दिनांक-01.04.2001 से “वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना” के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी।



प्रतिष्ठान द्वारा वेद के प्रचार-प्रसार एवं इसके संरक्षण, संवर्धन के लक्ष्यों, उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल करते हुए विद्यालय द्वारा उत्तरोत्तर प्रगति की गयी। तीन वर्षों के बाद संस्था का सम्यक् आकलन कर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) द्वारा वर्ष 2004–2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

- (क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्मय का अध्यापन।
- (ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।
- (ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।
- (घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।

- (ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्म दर्शन का प्रचार-प्रसार।
- (च) वेद-छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।
- (छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।
- (ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान का ज्ञान कराना।
- (झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रूप से व्यवस्था की गयी।
- (ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान करना।
- (ट) वैदिक सनातन जीवनदृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न-भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित करना।



उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है।

01. परीक्षा पे चर्चा – (दिनांक 01.04.2022 दिन शुक्रवार) माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गनिर्देशन में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देश के सभी युवा

छात्र-छात्राओं के साथ परीक्षा पे चर्चा का कार्यक्रम हुआ।

इसी क्रम में वेद विद्यालय के अध्यापकगण और समस्त छात्रों ने माननीय प्रधानमंत्री जी के परीक्षा पे चर्चा के उद्बोधन को श्रवण एवं अनुकरण किया।

चर्चा के दौरान देश के युवा



छात्र-छात्राओं द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी से परीक्षा को लेकर कुछ रोचक प्रश्न भी पूछे गये जिसका माननीय प्रधानमंत्री जी ने बहुत ही सकारात्मक उत्तर दिया।

02. **योग दिवस** – (दिनांक 21.06.2022 दिन मंगलवार) आयुष मंत्रालय भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान कार्यालय के निर्देशानुसार विद्यालय में समस्त अध्यापकों एवं छात्रगणों द्वारा योग दिवस का आयोजन किया गया तथा आज के आधुनिक दौर में योग की महत्ता को विद्यालय के प्राचार्य द्वारा छात्रों को बताया गया।



03. **प्रथम पुण्य तिथि** – (दिनांक 30.06.2022 दिन गुरु वार) परम श्रद्धेय श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज की प्रथम समाधि दिवस की स्मृति में आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को शिर्वाचन-पूजन-रुद्राभिषेक के पश्चात् श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उपाध्यक्ष श्री स्वामी शरदपुरी जी महाराज एवं श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के सचिव डॉ. कनक द्विवेदी के द्वारा स्वामी जी के जीवन चरित्र के बारे में आश्रम के समस्त लोगों को बताया गया। इस कार्यक्रम में महामण्डलेश्वर



- एवं संत महन्तों का भी आगमन हुआ। सभी लोगों ने समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। तत्पश्चात् भण्डारे का आयोजन किया गया।
04. **प्राण प्रतिष्ठा पूजन**– (दिनांक 01.07.2022 से 05.07.2022 तक) पतित पावनी मां गंगा एवं संगम तट झूंसी स्थित श्री शारदानन्द गिरि उत्थान समिति द्वारा संचालित नागच्छत्र हनुमान एवं नर्मदेश्वर (शैलजानाथ) शिवलिंग, वेणी माधव, नवग्रह, शनिशिला बटुक भैरव आदि मूर्तियों का अनावरण तथा प्रतिष्ठा पूजा विद्यालय के आचार्यों द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस मन्दिर की संकल्पना तथा स्थापना का कार्य हम सभी के अभिन्न हृदय ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज द्वारा वर्ष 2019

में आरम्भ किया गया था। परिस्थितियां अनुकूल होने पर मंदिर को स्वामी शारदानन्द गिरि उत्थान सोसाइटी के अध्यक्ष स्वामी शरदपुरी जी महाराज द्वारा प्राण प्रतिष्ठा किया गया एवं गुजरात से पधारी महामण्डलेश्वर संतोष पुरी 'गीता भारती' माता जी के दिशा निर्देश में कार्य सम्पन्न हुआ।

05. **गुरुपूर्णिमा**— (दिनांक 13.07.2022 दिन बुधवार) आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानि गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञानवर्धन करते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं। इस दिन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय का वार्षिक स्थापना दिवस भी मनाया जाता है।



परम्परागत रूप से प्रतिवर्ष की भौति प्राचीन वैदिक परम्परा एवं गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्य गति प्रदान करने के लिये गुरुपूर्णिमाके दिन गुरु का पूजन किया गया।

06. **महर्षि पतंजलि जयंती**— (दिनांक 02.08.2022 दिन मंगलवार) इस शुभ अवसर पर विद्यालय में महर्षि पतंजलि जयंती मनायी गयी। उनके छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय के प्राचार्य एवं अध्यापकों द्वारा छात्रों को शेषावतार योग के जनक महर्षि पतंजलि के विषय में बताया गया।



07. **श्रावणी उपाकर्म एवं संस्कृत दिवस**— (दिनांक 11.08.2022

दिन गुरुवार) के अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा झूंसी स्थित पतित पावनी मां गंगा के किनारे श्रावणी उपाकर्म किया गया। उसके बाद विद्यालय प्रांगण में स्थित देवालय में सप्तऋषि पूजन किया गया। तदोपरान्त सभी अध्यापकों

एवं छात्रों द्वारा अपने पुराने यज्ञोपवीत को बदलकर नवीन यज्ञोपवीत धारण किया गया। तत्पश्चात्

विद्यालय के प्राचार्य द्वारा छात्रों को संस्कृत दिवस के बारे में संस्कृत की महत्ता बतायी गयी। उन्होंने कहा कि श्रावणी पूर्णिमा को संस्कृत दिवस के भी रूप में मनाया जाता है। सनातन परम्परा के अनुसार



श्रावणी पूर्णिमा अर्थात् रक्षाबन्धन ऋषियों के स्मरण तथा पूजा और समर्पण का पर्व माना जाता है। वैदिक साहित्य में इसे श्रावणी के नाम से जाना जाता है। ऋषि ही संस्कृत साहित्य के आदि स्रोत हैं इसलिए श्रावणी पूर्णिमा को ऋषि पर्व और संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है। राज्य तथा जिला स्तर पर संस्कृत दिवस का आयोजन किये जाते हैं। संस्कृत दिवस मनाने का मूल उद्देश्य संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार करना है।

08. आज के आधुनिक दौर में कम्प्यूटर का ज्ञान एवं आधुनिक विषयों (संस्कृत, सामाजिक, अंग्रेजी तथा गणित) का ज्ञान होना न केवल विकास एवं रोजगारपरकता को बढ़ाता है बल्कि विपरीत परिस्थितियों में यह काफी सहायक सिद्ध होता है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वेद छात्रों के लिये कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम को विद्यालय अपने निजी साधनों से और मजबूत



बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। आधुनिक दौर में वेद वेदांगों सहित आधुनिक विषयों एवं सम्यक् तकनीक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। कम्प्यूटर ज्ञान तथा आधुनिक विषयों से वेद छात्रों का जहां सशक्तिकरण होगा वहीं उनकी योग्यता तथा

आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2006 से प्रारम्भ हुए वेद विद्यार्थियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय प्रगति हुई है। वैदिक बटुकों को कम्प्यूटर शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों को कम्प्यूटर परिचय, कम्प्यूटर टंकण (हिन्दी एवं अंग्रेजी), कम्प्यूटर की उत्पत्ति एवं उसका विकास, Internet & Multimedia, कम्प्यूटर हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं उसके प्रकार एवं अनुप्रयोग आदि का अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त हो सके। साथ ही जरूरत पड़ने पर इनका कार्यालय आधुनिकीकरण में भी उपयोग किया जा सके। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी वेद पाठशाला में कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अपेक्षा है कि वह अपने स्तर पर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से विशेष योजना स्वीकृत कराकर सभी पाठशालाओं के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराए।

09. आजादी का अमृत महोत्सव— (14.08.2022 दिन रविवार) भारत वर्ष के आजादी की

75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारत सरकार एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा “आजादी का अमृत महोत्सव” मनाया जा रहा है। इसी क्रम में भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के निर्देशानुसार झूंसी प्रयागराज के समस्त वेद विद्यालयों द्वारा सामूहिक रूप से प्रभात फेरी निकाली गयी। वेद विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्रगण उपस्थित रहे।



10. स्वतन्त्रता दिवस (15.08.2022 दिन सोमवार) को प्रातः 8 बजे श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, झूंसी, प्रयागराज के प्रांगण में स्वतन्त्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के सदस्य राकेश केसरवानी जी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसमें आश्रम के प्रबंधक श्री ब्रह्मचारी मोहन जी, प्रधानाचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी, समस्त अध्यापकगण, छात्रगण एवं गणमान्य लोगों उपस्थित रहे। ध्वजारोहण

के उपरान्त छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान हमारे महान् स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिये गये त्याग, बलिदान का उल्लेख किया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किये।



11. **पुण्यतिथि—** (दिनांक 17.08.2022 दिन बुधवार) भाद्रकृष्णषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्यब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्यतिथि के अवसर पर वेद ऋचाओं का सस्वर वेदपाठ, संगीतमय स्तोत्रपाठ किया गया। संस्था के उपाध्यक्ष श्री स्वामी शरदपुरी जी महाराज ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और वेदाध्ययन में सन्नद्ध छात्रों को परिश्रम के साथ जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।

12. **श्रीकृष्ण जन्माष्टमी—** (दिनांक 19.08.2022 दिन शुक्रवार) विद्यालय परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि कंस के अत्याचारों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिये भगवान् श्रीकृष्ण ने मथुरा में अवतार लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभवसर पर विद्यालय में बाल गोपाल के जन्म की भव्य झांकी सजायी गयी और “कृष्णाष्टकम्,



“गोविन्दाष्टकम् “गोपी मंगल गीत” तथा भगवत् स्तुति का पाठ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भजन—कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। वेदच्छात्रों को भगवान श्री कृष्ण के संदेशों, शिक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

13. **महर्षि वाल्मिकी जयंती**— (दिनांक 14.09.2022 दिन शुक्रवार) इस अवसर पर वेद विद्यालय में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें संस्कृत गीत, संस्कृत सम्भाषण, श्लोक अन्ताक्षरी आदि की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रयागराज के महाविद्यालयों, वेद विद्यालयों एवं संस्कृत विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. सीमा सिंह जी, सारस्वत अतिथि उत्तर प्रदेश संस्कृत विद्यालय निरीक्षक श्री रवीन्द्र सिंह जी, कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश मिश्र “धीर” तथा प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. चिरंजीवि शर्मा, डॉ. शम्भू नाथ त्रिपाठी (अंशुल), डॉ. अवध नारायण मिश्र शामिल रहे। जिसमें प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार मुख्य अतिथि द्वारा दिया गया।



14. **तुलसी विवाह** (दिनांक 04.11.2022 दिन शुक्रवार) कार्तिक मास की देव प्रबोधिनी एकादशी को तुलसी विवाह के रूप में मनाया जाता है। इस दिन शालिग्राम और तुलसी जी का विवाह कराकर पुण्यात्मा लोग कन्या दान का फल प्राप्त करते हैं। तुलसी के पौधे को पवित्र एवं पूजनीय माना जाता है। प्राचीन काल से चले आ रहे तुलसी विवाहोत्सव आयोजन को समस्त ग्रामीण, आश्रमवासी व विद्यालय के आचार्यादि सहित वैदिक छात्रों द्वारा वैदिक मन्त्रोच्चारपूर्वक सम्पन्न किया गया। इसी



उपक्रम में तुलसी की वैशिष्टता, महत्व तथा समाज में उपादेयता के विषय को भी लेकर परिचर्चा की गई।

15. **तुलसी दिवस, रंगोली एवं चित्र प्रतियोगिता**— (दिनांक 25.12.2022 दिन रविवार) इस अवसर पर वेद विद्यालय के द्वारा रंगोली एवं चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्राचार्य एवं अध्यापकों के द्वारा छात्रों को पुरस्कार स्वरूप अध्ययन सामग्री वितरित किया गया।



16. **वेद मंत्र पाठ प्रतियोगिता**— (दिनांक 13.01.2023 दिन शुक्रवार) परमपूज्य ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. मनोज झुनझुनवाला एवं श्रीकेतन, श्रीमती सीमा खोवाला के द्वारा वेदमंत्र पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय वेद पाठशालाओं के संहितापाठी छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले वेद छात्रों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान से अलंकृत कर अंगवस्त्र एवं प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।

17. **पराक्रम दिवस**— (दिनांक 23.01.2023 दिन सोमवार) इस अवसर पर नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती मनाया गया। जिसमें विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे। नेता जी के छाया चित्र पर समस्त लोगों के द्वारा माल्यापण किया गया। छात्रों ने नेता जी का छाया चित्र बनाया। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा नेता जी के विचारों के बारे में छात्रों को बताया गया।



18. गणतन्त्र दिवस— (दिनांक 26.01.2023 दिन शुक्रवार) इस अवसर पर मुख्य अतिथि

श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट की सचिव डॉ. कनक द्विवेदी जी के द्वारा वेद विद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति एवं अपने संविधान के प्रति भारतीय संविधान के साथ-साथ वेदाध्ययन के महत्व पर विशेष



प्रकाश डाला गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए सचिव जी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।

19. वसन्तपंचमी— (दिनांक 26.01.2023 दिन शुक्रवार) इस अवसर पर छात्रों द्वारा मां

सरस्वती देवी की प्रतिमा का पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्रों द्वारा मां वाग्देवी की आराधना की गयी। छात्रों ने मां सरस्वती से प्रार्थना करी कि वाणी की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती उनकी पूजा और आराधना स्वीकार करें। ब्राह्मण शास्त्रों के अनुसार, वाग्देवी सरस्वती



ब्रह्मस्वरूप, कामधेनु और सभी देवताओं की प्रतिनिधि हैं। वह विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं अतः छात्रों में अध्ययन के लिये निरंतर शक्ति का संचार करें और वाणी सहित सभी आत्माओं को ज्ञान और बुद्धि प्रदान करें। छात्रों को बताया गया कि वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है जो सभी ऋतुओं का राजा होता है।

20. **शहीद दिवस**— (30.01.2023 दिन रविवार) शहीद दिवस के अवसर पर देश की आन—बान—शान के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। पूरा देश आज के दिन अपने स्वतन्त्रता सेनानियों के बलिदान का सम्मान करने के लिये शहीद दिवस मनाता है। देश को आज़ादी दिलाने के लिए भारत के वीर सपूतों ने कई बलिदान दिए अंग्रेजी



हुकूमत की अनेक यातनाएं सही। उन सभी वीर शहीदों की बदौलत हम आज खुली हवा में आज़ादी की सांस ले पा रहे हैं। भारत में शहीद दिवस को मनाने का उद्देश्य उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है जिन्होंने देश के लिए हंसते—हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। 30 जनवरी 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गॉंधी की एक प्रार्थना सभा में जाने के दौरान नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बापू की पुण्यतिथि के दिन को हर साल शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं 23 मार्च को अपने पराक्रम, शौर्य और आत्मोत्सर्ग से देश के जन—जन में स्वाधीनता की अलख जगाने वाले माँ भारती के अमर सपूत, महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को उनके बलिदान दिवस याद करते हुए मनाया जाता है। 23 मार्च, 1931 को इन तीनों क्रांतिकारियों को लाहौर में फांसी दी गई थी। छात्रों को देश के लिये शहादत देने वालों के बारे में बताया गया और उनमें देश भक्ति की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया गया।

21. **महन्ती चादर पट्टाभिषेक कार्यक्रम** (दिनांक 23.02.2023



दिन गुरुवार) ब्रह्मलीन अनन्त श्री विभूषित श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी

महाराज परमाध्यक्ष श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के ब्रह्मलीन होने के उपरान्त रिक्त हुए स्थान पर अनन्त श्री विभूषित श्री 108 स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी महाराज का दशनाम सन्यास परम्परा के अनुसार पट्टाभिषेक हुआ। श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के सदस्यगण, भक्तगण, पूज्य संत महात्मा, गणमान्य प्रबुद्धजनों एवं देश-विदेश से आये हुए भक्तगणों की गरिमामयी उपस्थित रही। कार्यक्रम में सर्वप्रथम त्रिवेणी संगम स्नान, रूद्राभिषेक, चारों वेदों का सस्वर पाठ, समाधि स्थल एवं गुरु गद्दी का पूजन हुआ। तत्पश्चात् परम पूज्य स्वामी जी ने वेद वेदांग व उपनिषदों की महत्ता पर प्रकाश डाले।

- 22. श्री वाल्मीकि रामायण का चयनित सर्गों का पाठ –** (दिनांक 22 से 25 मार्च 2023)
इस अवसर पर प्रतिष्ठान द्वारा जारी निर्देश के अनुपालन में परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नूतन वर्ष और आगामी श्री रामनवमी के उपलक्ष्य में प्रतिष्ठान द्वारा केन्द्र श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, झूंसी, प्रयागराज में दिनांक 22.03.2023 को प्रातः 06 से 06.30 बजे तक अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा श्री वाल्मीकि रामायण के चयनित सर्गों का पाठ किया गया।

- 23. वार्षिक परीक्षा–** महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वार्षिक परीक्षा का आयोजन 23 से 26 मार्च 2023 तक कराने का निर्देश दिया गया। इसके अनुपालन में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठ वर्ष में अध्ययनरत वेदछात्रों की वार्षिक परीक्षा (लिखित, मौखिक) का आयोजन हुआ। प्रतिष्ठान द्वारा यहां केन्द्र स्थापित कर गुरु-शिष्य परम्परा/पाठशाला योजना के



वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा को म.सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा नियुक्त प्रेक्षक प्रो. अमलधारी सिंह जी के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न कराया गया। पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी हमारी वेद पाठशाला ने अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। प्रतिष्ठान के दिशा-निर्देशों के आधार पर बिना किसी बाधा के सुचारु एवं पारदर्शी

तरीके से परीक्षा करायी गयी। प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों के सहयोग और केन्द्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पाण्डेय के अथक परिश्रम से क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों परीक्षा कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हुआ। परीक्षा में उपस्थित प्रेक्षक, परीक्षकों एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में समयानुसार नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।

